हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 21 देहरादून, शनिवार, 08 जुलाई, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

मोदी सरकार के 9 वर्षों के कार्यकाल में हुए कई महत्वपूर्ण कार्य : महाराज 3

मुख्यमंत्री ने 4 दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव निनाद का किया शुभारंभ

ढ़ोल वादन कर परम्परागत लोकवाद्यो का बढ़ाया सम्मान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 जुलाई , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नीबूवाला गढ़ी कैन्ट, देहरादून में संस्कृति विभाग द्वारा निर्मित उत्तराखण्ड के प्रथम हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 4 दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव निनाद का भी शुभारंभ कर हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र में स्थापित वृहद संग्रहालय, प्रेक्षागृह, वाह्य व आन्तरिक कलादीर्घा पुस्तकालय एवं नाट्यशाला का अवलोकन किया तथा परम्परागत ढ़ोल वादन कर लोकवाद्यो का सम्मान भी बढ़ाया। असम के लोक कलाकारों द्वारा बिहु नृत्य का प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को सम्मानित भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने फिल्म जगत से जुड़े प्रदेश के फिल्मकारों, छायाकारों एवं गायकों को भी सम्मानित किया उनमें फिल्मकार संतोष रावत, फिल्म छायाकार कमलजीत नेगी, करन थपलियाल, अभिनेता चन्दन बिष्ट, अभिनेत्री रूप दुर्गापाल, गायिका शिखा जोशी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र एक ओर जहां प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक सजीव चित्र हम सबके समक्ष रखेगा, वहीं दूसरी ओर यह हमारी सरकार की संस्कृति के संरक्षण- संबर्द्धन एवं विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी परिलक्षित करेगा। यह केंद्र हमारी सांस्कृतिक विरासत को भावी पीढ़ी तक पहुँचाने में भी मददगार होगा।

उन्होंने कहा कि इस सांस्कृतिक केन्द्र में स्थापित वृहद संग्रहालय में अनेक कलाकृतियां, मूर्तिकला आदि संग्रहित हैं, इसके साथ ही हमारी पारम्परिक एवं समकालीन कला को भी इस संग्रहालय में प्रदर्शित करने का प्रयास सराहनीय है। इसके साथ ही यहां लोक साहित्य एवं लोक भाषा पर आधारित पुस्तक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गयी है, जिसमें उत्तराखण्ड जन आन्दोलन से जुड़े साहित्य को भी सम्मिलित किया गया है। यह सांस्कृतिक केन्द्र हमारी समृद्ध ऐतिहासिक सांस्कृतिक विरासत को एक स्थान पर संग्रहीत कर प्रदर्शित करने का एक अनूठा प्रयास है, जिससे हमारी भावी पीढ़ी को अपनी अमूल्य धरोहर को जानने एवं समझने का अवसर प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने फिल्मजगत से जुड़े प्रदेश-वासियों से अपेक्षा की कि उन्हें उत्तराखण्ड की इस पावन भूमि ने इस मुकाम तक पहुंचाने का अवसर दिया है। देश व दुनिया के साथ अपने प्रदेश का नाम रोशन करने में भी वे मददगार बने। उन्होंने कहा कि हमें अपनी संस्कृति परिवेश एवं पूर्वजो द्वारा दिये गए संस्कारों से जुड़ा रहना होगा। ये हमारी जड़े हैं। अपनी जड़ों से जुड़ा रहकर ही हम जीवन में सफल होंगे तथा हमारी पहचान बनी रहेगी।

उत्तराखंड में यहां हुआ भूस्खलन, फंसे दर्जनों वाहन, नदियों ने दिखाया रौद्र रूप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 08 जुलाई : उत्तराखंड में मॉनसून जोर पकड़ रहा है। लगातार बरसात से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। प्रदेश के कई जिलों में बीती रात से ही बारिश का सिलसिला जारी है। वहीं पिथौरागढ़ में हालात बेकाबू हो रहे हैं। लगातार यहां आपदा जैसे हालात बन रहे हैं। पिथौरागढ़ के धारचूला में भूस्खलन से यहां वाहन फंसे हैं।

वहीं भारी बारिश से गांव के समीप थोपा नाले का जल स्तर बढ़ गया है।कीड़ा जड़ी दोहन कर वापस आने वाले 25 लोगों को जान जोखिम में डालकर रस्सी के सहारे गांव पहुंचना पड़ा। बता दें कि पिथौरागढ़ जिले में लगातार भूस्खलन हो रहा है। टनकपुर-तवाघाट एनएच के पास धारचूला नयाबस्ती में भूस्खलन हुआ। पहाड़ी से बोल्डर और मलबा गिरने से सड़क बंद हो गई है। जिस कारण दोनों और दर्जनों वाहन और ग्रामीण फंसे हैं। हिलवेज सड़क खोलने में लगी है। सड़क दोपहर तक खुलने की उम्मीद है। इसके अलावा मलबा आने से 18 से अधिक सड़कें बंद हैं। वहीं धारचूला के दारमा घाटी में मूसलाधार बारिश से चल गांव को जोड़ने वाली धौली नदी किनारे लगी ट्राली बह गई है। इस वजह से 50 परिवारों का संपर्क कट गया है। बारिश से नालों के भी रौद्र रूप धारण करने से कीड़ा जड़ी दोहन करने गए 25 लोगों को जान जोखिम में डालकर गांव पहुंचना पड़ा। ग्राम प्रधान सरस्वती देवी और उप प्रधान दिनेश चलाल ने बताया कि 2013 की आपदा में लोहे का पुल बह गया था। शासन प्रशासन ने अब तक पुल नहीं बनाया है। हर साल इस तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। कुल मिलाकर पिथौरागढ़ आपदा की दृष्टि से संवेदनशील जिला है और हर साल यहां पर मानसून में जनजीवन अस्त व्यस्त हो जाता है। बता दें कि लोगों को बरसात से राहत नहीं मिलेगी। आने वाले कुछ दिनों तक मूसलाधार बरसात को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है।

केदारनाथ जा रहे युवकों की बाइक खाई में गिरी, एक की मौत दो जख्मी

ऋषिकेश। बदरीनाथ नेशनल हाईवे पर शिवपुरी में एक बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि, दो घायल हो गए। पुलिस और एसडीआरएफ ने मृतक और घायलों को खाई से बाहर निकालकर सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुनिकीरेती पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना शुक्रवार तडक़े हुई। यूपी स्थित अमेठी के सुल्तानपुर निवासी विश्वास प्रताप (21) पुत्र राजू सिंह, अपूर्व (21) पुत्र संजय और आकाश (25) पुत्र राजू उपाध्याय केदारनाथ दर्शन के लिए बाइक से निकले थे। शिवपुरी में हाईवे किनारे उनकी बाइक बेकाबू होकर खाई में गिर गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ के मदद से पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। इस दौरान गंभीर चोटें लगने से आकाश की मौके पर ही मौत हो गई। विश्वास और अपूर्व को जख्मी हालत में आपातकालीन 108 सेवा से ऋषिकेश के सरकारी अस्पताल भिजवाया गया। थानाध्यक्ष रितेश शाह ने बताया कि शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घायलों की हालत भी नाजुक बनी हुई है। इस बाबत परिजनों को अवगत करा दिया गया है।

आगामी निकाय व लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा

विकासनगर। सहसपुर मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं की निकाय व लोकसभा चुनाव को लेकर मंडल अध्यक्ष के नेतृत्व में शुक्रवार को पाटी कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में वार्ड और बूथ को मजबूत करने पर जोर दिया गया। साथ ही पार्टी कार्यताओं को केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता पहुंचने का आह्वान किया गया। सेलाकुई स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष पिंकी देवी ने केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना है।

हरिद्वार : यहां बाघों की रक्षा करेंगे हाथी, 1 साल की कड़ी ट्रेनिंग के बाद संभाली जिम्मेदारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 08 जुलाई : देशभर में बाघों को बचाने के लिए बड़े स्तर पर अभियान चल रहा है। बाघ के अस्तित्व के लिए असली खतरा चालाक और आधुनिक हथियारों से लैस आदमी है। इंसान प्राचीन काल से ही बाघों का शिकार अपने ड्राइंग रूम की शोभा बढ़ाने, वस्त्र बनाने, हड्डियों से औषधीय सामग्री बनाने और टोने-टोटके के लिए करते आए हैं, जिस वजह से आज बाघों का अस्तित्व खतरे में है। मानसून काल में कॉर्बेट नेशनल पार्क में भी शिकारियों की गतिविधियां बढ़ जाती है। ऐसे में अब जंगल के राजा बाघ की सुरक्षा का दायित्व अलबेली और आशा को दिया गया है।

दोनों एक्सपर्ट हाथी हैं, जो कि मानसून काल में जंगल की निगरानी में वन कर्मियों की मदद कर रहे हैं। आशा और अलबेली जैसी एक्सपर्ट हथिनियों और हाथियों की टीम उन जगहों पर भी आसानी से पहुंच जाती है, जहां कर्मचारी नहीं पहुंच पाते। बीते दिनों एनटीसीए से आए हाई अलर्ट के बाद इस बार हाथियों की जिम्मेदारी बढ़ गई हैं। अलबेली और आशा की टीम में शिवगंगे, कपिला, गंगा और गजराज समेत कुल 12 सदस्य हैं। सालभर आराम करने वाली हाथियों की टीम को इन दिनों कॉर्बेट नेशनल पार्क की 6 रेंज की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। टीम की सदस्य अलबेली की मां पवन परी ने भी काफी साल तक जंगल की सुरक्षा में योगदान दिया। कुछ साल पहले उसकी मौत हो गई थी। अब बेटी अलबेली भी कॉर्बेट के बड़े अभियानों में शामिल होती है।

हथिनी आशा और अलबेली में गहरी दोस्ती है और दोनों साथ ही रहती हैं। दोनों स्थानीय होने के कारण जंगल के बारे में पूरी जानकारी रखती हैं। महावत के एक इशारे पर दोनों काम शुरू कर देती हैं। जबकि कर्नाटक से लाए गए अन्य हाथियों को करीब 1 साल का प्रशिक्षण दिया गया है। शिकारियों पर नजर रखने के लिए सभी हाथी कर्मचारियों को पीठ पर लेकर करीब 180 से 200 किलोमीटर तक गश्त कर रहे हैं। दरअसल शिकारी मानसून काल का फायदा उठाकर जंगल में घुसपैठ की फिराक में रहते हैं। साल 2012 में शिकारियों ने जंगल में घुसकर एक बाघ को मार दिया था।

इस घटना के बाद से संवेदनशील इलाकों में हाथियों से गश्त शुरू करवाई गई। उन्हें सीमावर्ती इलाकों की सुरक्षा के साथ सभी श्रेणियों में गश्त की जिम्मेदारी दी गई है। रेंजर बिंदरपाल सिंह ने बताया कि कॉर्बेट पार्क करीब एक हजार 318 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, यहां 250 से ज्यादा बाघ हैं। जंगल के भीतर ऐसे कई इलाके हैं, जहां बरसात के मौसम में इंसान का पहुंचना मुश्किल है, ऐसे में हाथियों की मदद लेनी पड़ती है। यूपी से सटी सीमा ज्यादा संवेदनशील है, यहां कई बार संदिग्धों को घुसपैठ करते पकड़ा गया है। बाघों की सुरक्षा को देखते हुए 6 रेंज में 600 से ज्यादा कर्मचारी रोज 625 किलोमीटर चलकर जंगल की निगरानी कर रहे हैं। हाथियों और कर्मचारियों से रोजाना 800 किलोमीटर क्षेत्र में गश्त कराई जा रही है। पार्क में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। हाथियों से चार्ट के मुताबिक गश्त कराई जा रही है।

बच्चे को बनाना चाहते हैं स्मार्ट और इंटेलिजेंट, तो जरूर सिखाएं ये चीजें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 08 जुलाई हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनका बच्चा तेजस्वी, ओजस्वी और मेधावी बने। वह अपने कुल का नाम रोशन करें। इसके लिए पेरेंट्स उनकी परवरिश में कोई कमी न करते हैं। हालांकि, स्कूल और ट्यूशन के अलावा सोशल और मेन्टल एक्टिविटी भी जरूरी है। अगर आप भी अपने बच्चे को स्मार्ट और इंटेलिजेंट बनाना चाहते हैं, तो ये महत्वपूर्ण चीजें जरूर सिखाएं। आइए जानते हैं-

अपने बच्चे के दिमाग को तेज करने के लिए संगीत सिखाएं। एक्सपर्ट्स की मानें तो म्यूजिक सीखने से बच्चे का मानसिक विकास होता है। इसके लिए बच्चे को उसकी पसंद के अनुसार म्यूजिक या संगीत सिखाएं। बच्चे को संगीत सिखाने के लिए टीचर की मदद ले सकते हैं जोड़-घटाव से दिमाग की कसरत होती है। आसान शब्दों में कहें तो कैलकुलेशन करने से आईक्यू लेवल बढ़ता है। आप अपने बच्चे को जोड़-घटाव में बिजी रख उसके मस्तिष्क विकास में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आप बच्चे के साथ बैठकर भी मैथ के सवाल सॉल्व करें।

बच्चे के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए स्पोर्ट्स जरूरी है। आजकल बच्चे मोबाइल और इनडोर गेम पर डिपेंड हैं। इससे समय भी बर्बाद होता है। साथ ही फिजिकल एक्टिविटी नहीं होती है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चे को आउटडोर गेम में बिजी रखें। बच्चे को स्मार्ट और इंटेलिजेंट बनाने के लिए माइंड गेम पर ज्यादा फोकस करें। इसके लिए बच्चे को क्रॉसवर्ड सॉर्ट आउट करने के लिए दें। इसके अलावा, बिल्डिंग ब्लॉक, कुकिंग शो, रीडिंग गेम्स, जगलिंग आदि माइंड गेम्स खेलने के लिए दें , बच्चे के मानसिक विकास के लिए योग और मेडिटेशन जरूरी है। योग करने से शरीर फिट और मजबूत होता है। वहीं, मेडिटेशन से मानसिक विकार दूर होता है। इसके लिए बच्चे को योग और मेडिटेशन करने की सलाह दें। इससे बच्चे का मानसिक और शारीरिक विकास होगा।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व सैनिकों ने मनाया कारगिल बटालिक आनर डे

कोटद्वार। 17वीं गढ़वाल राइफल्स के पूर्व सैनिकों की ओर से शुक्रवार को कारगिल बटालिक आनर डे मनाया गया। इस दौरान कारगिल शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया। भाबर क्षेत्र के निंबूचौड़ स्थित एक बारातघर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का आरंभ जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेनि. कर्नल ओमप्रकाश फरस्वाण, समिति अध्यक्ष कै. जगदीश प्रसाद पोखरियाल व कै. शिव प्रसाद चमोली ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर कारगिल शहीद हवलदार मदन सिंह की पत्नी जीना देवी व हवलदार सोवन की पत्नी सुषमा देवी सहित शांति देवी, सुमित्रा देवी व घायल हुए सैनिक कै. जगदीश प्रसाद पोखरियाल व हवलदार प्रेम सिंह को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कारगिल युद्ध में राइफल्स के सैनिकों की वीरता के लिए बटालियन को बैटल आफ बटालिक व थेटर आफ कारगिल सम्मान से नवाजा गया। इस दौरान रमेश सिंह, दयानंद भट्ट, महिपाल सिंह, रघुवीर सिंह, सुधीर चंद्र, मेहरबान सिंह और प्रेम सिंह सहित अन्य पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

समस्याओं का निस्तारण न होने पर जताया रोष

कोटद्वार। पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने कोटद्वार विधान क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं का समाधान नहीं होने पर रोष व्यक्त किया है। इस संबध में अपर कालाबड़ स्थित परिषद कार्यालय में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कोटद्वार विधान सभा की समस्याओं का निस्तारण न होने से आम जनता में रोष बढ़ रहा है। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए विधान सभा अध्यक्ष को कठोर निर्णय लेने होंगे। कहा कि वर्तमान में कोटद्वार विधान सभा कूड़ा निस्तारण, बेसहारा गौवंश और यातायात अव्यवस्था सहित कई समस्याओं से जूझ रही है। आरोप लगाया कि अगर समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रयास किए भी जा रहे हैं तो कुछ लोग उसमें बाधा पैदा कर रहे हैं। इसलिए विधान सभा क्षेत्र में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। मौके पर विधान सभा अध्यक्ष से क्षेत्र की समस्याओं को तेजी से निस्तारित करने की अपील की गई । बैठक में जी के बड़थ्वाल, सी पी डोबरियाल, अनूप बिष्ट, विनोद ध्यानी, हसवंत सिंह, बलवान सिंह, एस के नौगांई, आर सी शर्मा, राजेंद्र सिंह और महेंद्र सिंह सहित परिषद के सभी सदस्य मौजूद रहे।

राज्य निर्माण आंदोलनकारियों ने जताया रोष

कोटद्वार। कोरोना काल के दौरान प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में नियुक्त कर्मचरियों को हटाने पर उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलनकारी विक्रम सिंह ने रोष व्यक्त किया है। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा है कि लगभग पांच माह पूर्व हटाए गए कर्मचारियों को अभी तक सेवा में नहीं लिया गया है, जिस कारण उनके सम्मुख आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। कहा कि कोरोना काल में इन कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर मरीजों की सेवा की, लेकिन कोविड समाप्त होने के बाद इन कर्मचारियों को सेवा से बाहर कर दिया गया, जो अनुचित है। इन कर्मचारियों को वापस सेवा में लिया जाना चाहिए।

नदी व नालों के आसपास न जाने की हिदायत दी

कोटद्वार। पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण इस समय क्षेत्र की नदियां उफान पर हैं। ऐसे में कोतवाली पुलिस ने अभियान चलाते हुए आम जन से नदी व नालों के आसपास न जाने की हिदायत दी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणिभूषण श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस ने खोह, मालन व सुखरौ नदी के आसपास पहुंचकर लाउस्पीकर के माध्यम से आम जन को हिदायत देते हुए कहा कि वर्तमान में पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण नदियां कभी भी उफान पर आ सकती है। ऐसे में किसी को भी नदी व नालों के आसपास जाने से बचना चाहिए। कहा कि अपने आसपास किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने की सूचना तुरंत पुलिस को देनी चाहिए।

मोदी सरकार के 9 वर्षों के कार्यकाल में हुए कई महत्वपूर्ण कार्य : महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 08 जुलाई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नौ वर्षों में अनेक महत्वपूर्ण काम किए है। धारा 370, राम मंदिर जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले भी इसी दौरान हुए है। \उक्त बात चौबट्टाखाल विधायक व कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने बीते दिन अपने विधानसभा क्षेत्र में भाजपा द्वारा चलाये जा रहे महा जनसंपर्क अभियान के दौरान कही।

चौबट्टाखाल विधायक व कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे महा जनसंपर्क अभियान के तहत अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल में भारी बारिश के बावजूद बौंसाल, मेटाकुंड, अमोठा, पाटीसैण में भाजपा कार्यकर्ताओं व क्षेत्रीय जनता से जनसंपर्क कर केन्द्र की भाजपा सरकार की पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटीसैण का भी औचक निरीक्षण भी किया। जनसंपर्क अभियान के दौरान कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने ग्रामीणों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने इन नौ सालों में अनेक महत्वपूर्ण काम किए है। धारा 370, राम मंदिर जैसे महत्वपूर्ण फैसले भी केन्द्र की मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान ही हुए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को प्रचंड बहुमत के साथ जिताना है और देश को विकास की ओर अग्रसर करना है।

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष शांति देवी, भाजपा जिला महामंत्री शशि रतूड़ी, मंडल अध्यक्ष एकेश्वर गणेश रावत, मण्डल अध्यक्ष सतपुली सुरेंद्र सिंह बिष्ट, वरिष्ठ नेता वेद प्रकाश वर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष बृजमोहन सिंह रावत सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा की व्यवस्था जांचने मैदान में उतरे एसपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी। एसपी अर्पण यदुवंशी गंगोत्री यात्रा मार्ग पर कांवड़ यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने कांवड़िए और भंडारा संचालकों से मुलाकात कर हालचाल जाना और यातायात व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही एसपी ने वाहनों में लाउडस्पीकर से ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण की हिदायत दी। बीते 4 जुलाई से कांवड़ यात्रा शुरू हो चुकी है। गंगोत्री और गोमुख आदि स्थानों पर देश के विभिन्न राज्यों से कांवड़ भक्त गंगा जल लेने उत्तरकाशी जनपद में पहुंच रहे हैं। कांवड़ यात्रा के बेहतर संचालन को लेकर जनपद पुलिस लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने शुक्रवार को यात्रा रूट पर जाकर कांवडियों और भंडारा संचालकों से मिलकर कहा कि सुरक्षित औ सुचारु यात्रा करवाने के लिए जिला और पुलिस प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। व्यवस्था का जायजा लेने मैदान में उतरे एसपी ने लक्षेश्वर, तेखला, गंगोरी, गणेशपुर, नेताला, हीना, मनेरी आदि रूटों का जायजा लेते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवानों को सतर्कता एवं सेवा भाव से ड्यूटी करने के निर्देश दिये। भण्डारा संचालकों को आस-पास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, कूड़े को बेतरतीब न फेंकने, रोड पर अनावश्यक जाम न लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने हीना यात्री पंजीकरण केन्द्र का निरीक्षण भी किया। कांवडियों को जागरूक करते हुये उन्हें दोपहिया वाहन में सदैव हेलमेट का प्रयोग करने, बरसात के चलते सुरक्षित स्थानों पर रुकने, वाहनों को तेज गति में न चलाने, रात्रि में अनावश्यक यात्रा न करने, प्रेशर हार्न का प्रयोग न करने, दोपहिया वहानों के साइलेंसर न हटाने, लाउडस्पीकर की ध्वनि कम रखने, यातायात नियमों का पालन करने तथा रोड पर जाम की स्थिति पैदा न करने की हिदायत दी।

एसडीएम ने डेंगू वार्ड में मच्छरदानियों को बदलने के निर्देश दिए

ऋद्धिकेश। बरसात में डेंगू के प्रकोप से बचाने के लिए एसपीएस राजकीय चिकित्सालय इलाज से पहले खुद ही बीमार नजर आ रहा है। शुक्रवार को एसडीएम के निरीक्षण में इसका खुलासा हुआ। उन्हें वार्ड में बेड पर लगी मच्छरदानियां पुरानी और खराब मिली। उन्होंने तत्काल सीएमएस को मच्छरदानियां बदलने के साथ ही हर स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट रहने के निर्देश दिए। शुक्रवार को एसडीएम सौरभ असवाल को निरीक्षण में सीएमएस डॉ. पीके चंदोला ने जानकारी दी कि अस्पताल में चार वार्ड डेंगू मरीजों के लिए बनाए गए हैं। इन वार्डों में 10 पुरुष और 10 महिला बेड रिजर्व कर दिए गए हैं। सर्विलांस टीम को भी एक्टिवेट किया गया है। आशा कार्यकर्ताओं को भी घर-घर जाकर लोगों को डेंगू से बचाव को जागरूक करने के लिए कहा गया है। एसडीएम ने बताया कि बरसात में डेंगू के मामले बढने की आशंका रहती है, जिसके चलते डीएम सोनिका पहले ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित कर चुकी हैं। इसी क्रम में स्वास्थ्य इंतजामों का जायजा लेने के लिए स्थलीय निरीक्षण किया। बताया कि इस बाबत नगर निगम के अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्हें खुले में पानी जमा नहीं होने देने के साथ ही कीटनाशक दवाओं के छिडक़ाव के लिए भी कहा गया है।

डीएम ने ली सडक़ सुरक्षा को लेकर अधिकारियों की बैठक

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में सडक़ सुरक्षा को लेकर अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने एसडीएम, एनएच, पीएमजीसवाई, लोनिवि, बीआरओ के अधिकारियों से सडक़ सुरक्षा को लेकर किये गये कार्यों एवं सडक़ों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। जिसके बाद चेकिंग अभियान, चालान, मजिस्ट्रीयल जांच को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

शुक्रवार का कलक्ट्रेट में आयोजित सुडक़ सुरक्षा बैठक में डीएम ने मानसून सीजन को देखते हुए सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिये। जनपद के सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि माह में एक बार टीम के साथ सडक़ सुरक्षा को लेकर चेकिंग करना सुनिश्चित करें। साथ ही खराब सडक़ों की किमी सहित सूचना उपलब्ध करायें। कुमाल्डा-कद्दूखाल मोटर मार्ग, सुवाखोली-भवान मोटर मार्ग, डोबराचांटी मोटर मार्ग, बछलीखाल मोटर मार्ग, कोडियाला मोटर मार्ग, रानीपोखरी-गुजराड़ा आदि मोटर मार्गों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि जहां पैचवर्क, सडक़ डामरीकरण के कार्य होने हैं। उनका एसडीआरएफ के मानकों के अनुसार इस्टीमेट भेजना सुनिश्चित करें। फुटपाथ पर अनावश्यक बोर्डस को हटाते हुए फुटपाथ को साफ रखने को कहा गया। सुरकण्डा देवी रोड पर पक्की पार्किंग बनने तक अस्थाई पार्किंग के लिए जगह चिह्नित करने के निर्देश भी दिये। पूर्व में सडक़ दुर्घटना स्थलों पर लगाये गये क्रश बैरियर और पैराफिट के संबंध में जानकारी लेते हुए डीएम ने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिगत सडक़ दुर्घटना स्थलों पर क्रश बरियर व पैराफिट लगाना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

कांवड़ में टिहरी पुलिस कर सेवाभाव से काम

नई टिहरी। कांवड़ यात्रा के दौरान टिहरी पुलिस पूरी सेवा भाव से काम कर रही है। 5 वर्ष की एक बच्ची जो अपने मां बाप के साथ कावड़ मेले में घूमने के लिए आई थी, अपने परिवार जनों से जानकीपुल के पास से बिछड़ गई थी। मां-बाप ने पुलिस को इसकी सूचना दी, तो पुलिस ने तत्काल बच्ची को ढूंढना शुरू किया। काफी प्रयासों के बाद बच्ची को सकुशल ढूंढ कर उसके माता-पिता के हवाले किया। जिस पर माता-पिता ने पुलिस का आभार जताया है। टिहरी पुलिस ने कांवड़ यात्रा के दौरान खारास्रोत पार्किंग क्षेत्र में एक कांवड़ यात्री के पांव में कांच लगने के कारण चोटिल होने से परेशानी में आ गया था। ट्रैफिक ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल भजनपाल सैनी ने निजी प्रयासों से मेडिकल किट लेकर कांवड़ यात्री का मौके पर प्रथम उपचार कर आटो की मदद से अस्पताल पहुंचाया।

तीर्थनगरी में पंखे से झूलता मिला दिल्ली का युवक

नई टिहरी। केदारनाथ यात्रा पर निकले दिल्ली के एक युवक ने तीर्थनगरी देवप्रयाग स्थित रैन बसेरा में आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल पर युवक का शव पंखे पर झूलता मिला। जहां पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए श्रीनगर भेजा है। शुक्रवार दोपहर देवप्रयाग के शांति बाजार क्षेत्र स्थित रैन बसेरा में दिल्ली निवासी युवक का शव पंखे पर बेड शीट के सहारे झूलता मिला। एसएसआई अनिरुद्ध मैठाणी ने बताया कि बीते बुधवार को दिल्ली बुद्ध विहार निवासी संदीप कुमार वत्स(38) पुत्र अशोक कुमार देवप्रयाग पहुंचा और उसने रैन बसेरा में कमरा लिया। शुक्रवार दोपहर तक जब उसके कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो प्रबंधक विपिन डोभाल ने पुलिस को इसकी सूचना दी। प्रबंधक डोभाल ने बताया कि युवक संदीप कुमार ने कमरा लेते समय बताया था कि, वह अपने दो अन्य साथियों के साथ केदारनाथ यात्रा पर निकला था, लेकिन तबीयत खराब होने के कारण वह सोनप्रयाग से ही लौट आया। उसने श्रीनगर में इलाज व दवा के पर्चे भी उन्हें दिखाये व साथियों के वापस आने तक देवप्रयाग में रहने की बात कही। युवक ने रैन बसेरा के नीचे स्थित भागीरथी घाट में जाने की दो बार कोशिश भी थी, मगर प्रशासन की रोक के कारण वह यहां नहीं जा पाया था। शुक्रवार सुबह 11 बजे तक दरवाजा नहीं खुलने पर प्रबधक ने कमरे के पीछे बनी खिडक़ी से युवक के शव को पंखे से झूलता देखा। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम ने कमरे का दरवाजा तोडक़र युवक का शव पंखे से नीचे उतारा। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने दूरभाष से घटना की जानकारी युवक के परिजनों को दे दी।

परीक्षा के लिए रुद्रप्रयाग में धारा 144 लागू

रुद्रप्रयाग। आगामी रविवार 9 जुलाई को एकल सत्र में आयोजित होने वाली स्नातक स्तरीय (विभिन्न विभाग) के पदों के चयन के लिए जनपद के परीक्षा केंद्रों में धारा-144 प्रभावी रहेगी। उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग द्वारा इसके लिए आदेश जारी कर दिया गया। उप जिलाधिकारी सदर अपर्णा ढौंडियाल ने बताया कि सब डिविजन रुद्रप्रयाग में स्नातक स्तरीय (विभिन्न विभाग) के पदों के चयन के लिए परीक्षा 9 केंद्रों में आयोजित की जाएगी। एकल सत्र में पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 1 बजे तक आयोजित होने वाली परीक्षा अवधि में धारा-144 प्रभावी रहेगी।

देहरादून पुलिस ने की सभी संगठनों से भाईचारे की अपील, ये है मामला

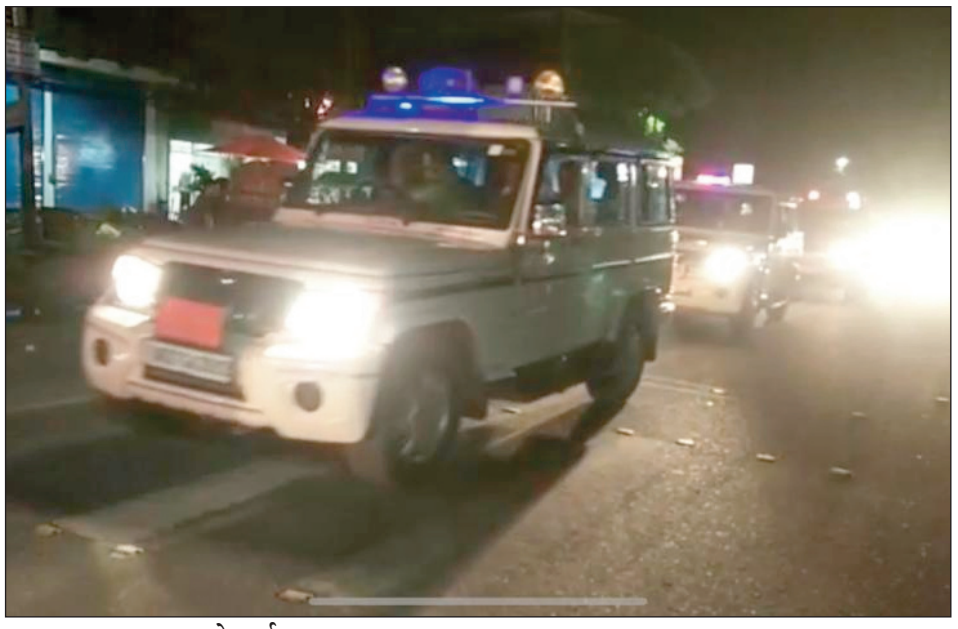

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 जुलाई , देश के अलग अलग कोने से उठती लव जिहाद , मोहब्बत में मज़हबी साजिश और भाईचारे में नफरत के ज़हर को घोलने की खुराफात से सतर्क उत्तराखंड पुलिस अब विकासनगर की घटनाओं पर अलर्ट हो गयी है। पहले पुरोला और अब राजधानी जहाँ डीआईजी ने तेज़ी से सख्त कार्यवाही करते हुए खुद मौके पर दौरा करते हुए फ्लैगमार्च के आदेश दिए और कड़ी चेतवानी और केस दर्ज़ करते हुए मनचलों और ऐसे अराजकतत्वों को एनएसए कार्यवाही तक की वार्निंग दे दी है। डीजीपी अशोक कुमार का सख्त आदेश है कि देवभूमि की कानून व्यवस्था/ सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों/व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी ।

उत्तराखंड पुलिस की तेज़ी का दिखा असर

आपको बता दें कि विकास नगर क्षेत्र में बीते कुछ दिनों से सांप्रदायिक सौहार्द व कानून व्यवस्था बिगाड़ने तथा महिलाओं से छेड़छाड़ किये जाने के संबंध में हुए विवाद पर तत्काल 2 अलग अलग केस दर्ज करते हुए पुलिस ने 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। पांच जुलाई को दो समुदायों के विवाद के संबंध में जहां साक्षी की शिकायत पर एससी एसटी एक्ट तथा पोस्को एक्ट में अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है, वहीं दूसरे पक्ष में शरबती पत्नी शमीम की तहरीर के आधार पर थाना विकास नगर पर 07 व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किये है। दोनों केस में पुलिस द्वारा अभियुक्तों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून दलीप सिंह कुंवर द्वारा स्वयं विकास नगर क्षेत्र का भ्रमण कर कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही कानून व्यवस्था व सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले व्यक्तियों को सख्त चेतावनी दी गई है कि किसी भी दशा में क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति व समुदाय को सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने नहीं दिया जाएगा। कानून व्यवस्था खराब करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, प्रत्येक घटना की पूर्ण जानकारी पुलिस के पास है तथा पुलिस द्वारा प्रत्येक घटनाक्रम की नियमित रूप से वीडियोग्राफी की जा रही है, इसके अतिरिक्त संपूर्ण क्षेत्र की ड्रोन के माध्यम से भी नियमित रूप से निगरानी करते हुए प्रत्येक गतिविधि पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है।

वहीं डीआईजी ने मुख्यालय में हिंदूवादी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जिसमें उनसे सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने की अपेक्षा के साथ-साथ सांप्रदायिक सौहार्द पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली किसी भी गतिविधि को न करने के संबंध में स्पष्ट रूप से बताया गया। साथ ही स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति अथवा समूह को विधि विरुद्ध कार्य करने की न तो अनुमति दी जाएगी और ना ही ऐसी किसी गतिविधि को बर्दाश्त किया जाएगा, जो भी व्यक्ति या समुदाय विधि विरुद्ध कार्य करते हुए सांप्रदायिक सौहार्द व कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास करेगा, उसके विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।आज मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की जाएगी। दून पुलिस की अपील है कि सोशल मीडिया और अन्य स्तर पर आप ऐसे मामलों को ज्यादा तूल न दें।

उत्तराखंड : गौशाला में घुसा बाघ, एक के बाद एक 8 गाय मार डाली, इलाके में हड़कंप

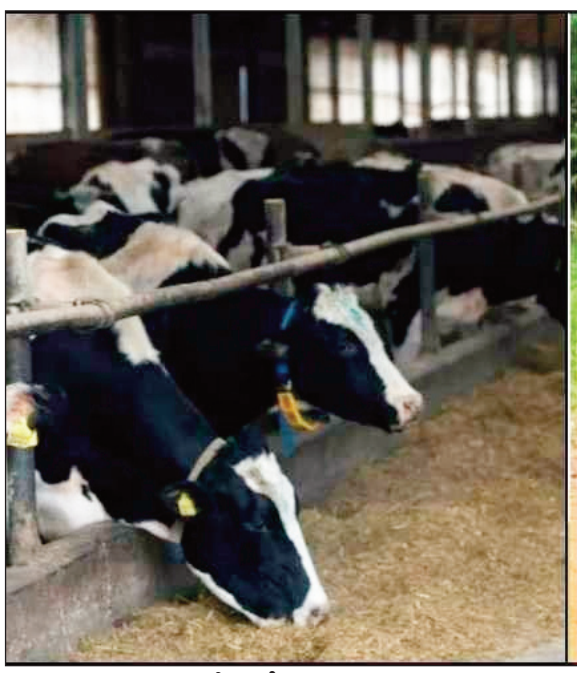

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रामनगर 08 जुलाई : पौड़ी से लेकर पिथौरागढ़ तक ऐसा कोई जिला नहीं, जहां लोग जंगली जानवरों से परेशान न हों। गुलदार-बाघ के आतंक के चलते लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो गए हैं। रामनगर के सुंदरखाल गांव में भी बाघ का आतंक बढ़ता जा रहा है। यहां बाघ ने गौशाला में घुसकर आठ गायों को मार डाला। गांव में बाघ की दस्तक से ग्रामीण बुरी तरह डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बाघ जंगल छोड़कर गांव में घूम रहा है, जिसके चलते उन्होंने घर से बाहर निकलना बंद कर दिया है। ग्रामीण अपने घरों में कैद रहने को मजबूर हैं। बीती रात तेज बारिश के बीच रात के अंधेरे में बाघ ने गोशाला में घुस कर आठ गायों को मार डाला।

वह एक बछिया को घसीट ले गया। ग्रामीणों ने बताया कि पूरी रात बाघ गांव में ही घूमता रहा। डर की वजह से हर कोई घर में बंद है। इस बारे में वन विभाग को सूचना भी दी गई थी, लेकिन वन विभाग की टीम गांव में नहीं पहुंची। पहाड़ के दूसरे हिस्सों की तरह रामनगर में भी तेज बारिश हो रही है। इस बीच बाघ गांव में दाखिल हो गया। बाग ने दिलीप राम की गौशाला में घुसकर वहां बंधी चार गाय व चार बछिया को मार डाला।

गायों के चिल्लाने की आवाज आती रही, लेकिन किसी की हिम्मत नहीं हुई कि वो जाकर कुछ करे। इससे पहले भी बाघ को एक घर के पास मंडराते देखा गया था। बाघ की गांव में चहलकदमी बनी हुई है। तीन दिन में बाघ 10 गायों को मार चुका है। बता दें कि सुंदरखाल गांव कॉर्बेट टाइगर रिजर्व व रामनगर वन प्रभाग से सटा हुआ है। यहां तेज बारिश के बीच बाघ मवेशियों को अपना निशाना बना रहा है। बीते दिन सुबह कोसी रेंज की टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान वन कर्मियों को गांव में कई जगह पर बाघ के पंजे के निशान भी मिले हैं।

उत्तरकाशी : पहाड़ से टूटा बर्फ का सैलाब, एक व्यक्ति की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 08 जुलाई : उत्तरकाशी जिले की गंगोत्री घाटी में पर्वतारोहण के लिए गए 20 सदस्यीय दल का एवलांच से सामना हो गया। इस दौरान दल के एक सदस्य की एवलांच की चपेट में आने से मौत हो गई। मरने वाला युवक ट्रैकिंग में हेल्पर का काम करता था। युवक के शव को बीते दिन गंगोत्री लाए जाने की उम्मीद है। जानकारी के मुताबिक 20 सदस्यों का एक दल भागीरथी-2 की चोटी पर आरोहण के लिए गया था। चोटी का आरोहण करने के बाद सभी पर्वतारोही वापस लौट रहे थे। इस बीच रास्ते में एवलांच आ गया।

जिसकी चपेट मे आने से एक पर्वतारोही की मौत हो गई। दल के अन्य सदस्यों ने मामले की जानकारी गंगोत्री नेशनल पार्क और आपदा प्रबंधन विभाग को दी। उत्तरकाशी आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार एवलांच में दबे युवक के शव को अन्य सदस्यों ने भोजवासा पहुंचा दिया है। पूरा दल 24 जून को भागीरथी-2 चोटी के आरोहण के लिए गया था।

बीते दिन 8 पर्वतारोहियों के आरोहण के बाद दल वापस लौट रहा था। इस दौरान एक हेल्पर की एवलांच की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान नहीं हो पाई है, हालांकि बताया जा रहा है कि यह स्थानीय युवक कामर गांव का रहने वाला था। वो पर्वतारोहियों के दल के साथ हेल्पर के तौर पर काम करता था। इस साल पर्वतारोहण के दौरान स्थानीय युवक के मरने की यह दूसरी घटना है। कुछ समय पहले कांदी लीखाल ट्रैक पर गए एक वरिष्ठ गाइड की भी बीमारी के चलते मौत हो गई थी। मृतक का शव करीब 15 दिन बाद उत्तरकाशी लाया गया था।

धामी सरकार की बड़ी उपलब्धि, मानसिक स्वास्थ्य नियमावली पर मुहर, 13 जिलों में 07 स्थानों पर पुनर्विलोकन बोर्ड का गठन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। केंद्र सरकार की हरी झंडी के बाद आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अगवाई में कैबिनेट ने मानसिक स्वास्थ्य नियमावली पर अपनी मुहर लगा दी है। जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा संभालने के बाद से मंत्री डॉ धन सिंह रावत इस पर गंभीरता से काम कर रहे थे। केन्द्र में कई बार उन्होंने इसकी पैरवी की। स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने पूरी टीम के साथ इस पर गंभीरता से काम किया और केन्द्र की मुहर के बाद राज्य कैबिनेट ने भी इस पर अपनी मुहर लगा दी। आपको बता दें स्वास्थ्य सचिव बनने के बाद से डॉ आ राजेश कुमार ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने के साथ केन्द्र की योजनाओं को राज्य में तेजी से धरातल पर उतारने में कामयाबी हासिल की है। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं और केन्द्रीय स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ ही समय-समय पर केन्द्र सरकार से आये अधिकारियों ने भी तारीफ की है।

स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने इस उपलब्धि के लिए महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ विनीता शाह सहित पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य नियमावली के गठन से पहले इसके लिए सरकारी और गैरसरकारी, बुद्धजीवी वर्ग, समाजिक कार्यों से जुड़े लोगों की राय ली गई। जिसके बाद इसके फाइनल ड्राफट पर मुहर लगी। स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य नियमावली की मंजूरी के बाद राज्य में अब नशा मुक्ति केंद्र, मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के साथ मानसिक रोग विशेषज्ञ, नर्सों, मनोचिकित्सकीय सामाजिक कार्यकर्ताओं को पंजीकरण करना अनिवार्य होगा। लेकिन मानसिक रोग विशेषज्ञों से पंजीकरण शुल्क नहीं लिया जाएगा। केंद्र सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य देखरेख अधिनियम लागू किया था। साथ ही राज्यों को भी इस अधिनियम के तहत मानसिक स्वास्थ्य नीति और नियमावली बनाने के निर्देश दिए गए थे। अधिनियम के तहत 2019 में सरकार ने राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण का गठन किया। लेकिन नियमावली न होने के कारण प्राधिकरण काम नहीं कर पा रहा था। बीते माह स्वास्थ्य विभाग की ओर से नियमावली का प्रस्ताव केंद्र सरकार की अनुमति के लिए भेजा गया था। केंद्र सरकार ने नियमावली का परीक्षण करने के बाद मंजूरी दे दी है। आज कैबिनेट में इस नियमावली को मंजूरी मिल गई।

मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को देना होगा पंजीकरण शुल्क

प्रदेश में संचालित नशा मुक्ति केंद्र या मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों को अनिवार्य रूप से प्राधिकरण में पंजीकरण करना होगा। इसके लिए शुल्क भी लिया जाएगा। एक साल के अस्थायी लाइसेंस के लिए दो हजार रुपये शुल्क होगा। इसके बाद स्थायी पंजीकरण के लिए 20 हजार शुल्क देना होगा।

इन नियमों का भी करना होगा पालन

नशा मुक्ति केंद्र मानसिक रोगी को कमरे में बंधक बना कर नहीं रख सकते हैं। डॉक्टर के परामर्श पर नशा मुक्ति केंद्रों में मरीज को रखा जाएगा और डिस्चार्ज किया जाएगा। केंद्र में फीस, ठहरने, खाने का मेन्यू प्रदर्शित करना होगा। मरीजों के इलाज के लिए मनोचिकित्सक, डॉक्टर को रखना होगा। केंद्र में मानसिक रोगियों के लिए खुली जगह होनी चाहिए। जिला स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य समीक्षा बोर्ड के माध्यम से निगरानी की जाएगी। मानसिक रोगी को परिजनों से बात करने के लिए फोन की सुविधा दी जाएगी। इसके अलावा कमरों में एक बेड से दूसरे बेड की दूरी भी निर्धारित की गई है।

13 जनपदों के 07 स्थानों पर पुनर्विलोकन बोर्डों का गठन

मानसिक स्वास्थ्य देखरेख अधिनियम-2017 को भारत सरकार द्वारा दिनांक 29 मई, 2018 को अधिसूचित कर दिया गया था, जिसको उत्तराखण्ड सरकार द्वारा मूल रूप में अधिकृत कर लिया गया है। इस अधिनियम का मूल उद्देश्य मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्तियों के अधिकारों, उनके उचित उपचार एवं संरक्षण करना है। इस अधिनियम के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण एवं उत्तराखण्ड के 13 जनपदों के 07 स्थानों पर पुनर्विलोकन बोर्डों का गठन कर दिया गया है। इनमें हरिद्वार जनपद में एक, देहरादून जनपद में एक, उधमसिंह नगर जनपद के रूद्रपुर में एक, पौड़ी गढ़वाल, रूद्रप्रयाग, और चमोली जनपद का सेंटर श्रीगर गढ़वाल में, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जनपद का न्यू टिहरी में और बागेश्वर, पिथौरागढ़ व चंपावत जनपद का पिथौरागढ में बोर्ड का गठन किया गया है। इस अधिनियम के आलोक में राज्य सरकार द्वारा मानसिक स्वास्थ्य देखरेख नियम, मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों (नशामुक्ति केन्द्रों सहित) के लिए नियम विनियम एवं मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्तियों के अधिकार इत्यादि को तैयार कर लिया गया है एवं भारत से अनुमोदन प्राप्त कर मंत्री परिषद् में राज्य में प्रख्यापित करने हेतु प्रेषित किया गया, जोकि आज दिनांक 07.07.2023 को सम्पन्न हुई मंत्री परिषद की बैठक में सभी नियमो विनियमों को प्रख्यापित करने को मंजूरी दे दी गई है।सभी मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों (नशामुक्ति केन्द्रों सहित) मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों (नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, मानसिक स्वास्थ्य नर्सों एवं मनशचिकित्सीय सामाजिक कार्यकर्ताओं) को राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है। मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों के अस्थाई पंजीकरण हेतु न्यूनतम राशि रू0 2,000/- का प्राविधान है एवं मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का पंजीकरण निःशुल्क किया जाना है।इन नियम विनियमों के प्रख्यापित हो जाने के पश्चात सभी मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों (नशामुक्ति केन्द्रों सहित) को इसमें दिये गये नियम - विनियमों के अनुरूप संस्थानों का संचालन करना होगा। मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों (नशामुक्ति केन्द्रों सहित) की समय-समय पर जांच एवं निरीक्षण करने का प्रावधान भी इसमें निहित है। जिसमें किसी मानसिक स्वास्थ्य संस्थान द्वारा गैर अनुपालन या प्रावधान का उल्लंघन किया जाता है तो ऐसी स्थित में ऐसा न करने पर अधिनियम में दण्ड का प्रावधान है।

नियमों का उल्लंघन करने पर 2 साल की जेल या 50 हजार जुर्माना

नियमावली में नियमों का उल्लंघन करने पर मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों (नशामुक्ति केन्द्रों सहित) द्वारा प्रथम उल्लघन पर 5,000/- से 50,000/- रूपये, दूसरे उल्लघन पर 2,00,000/- रूपये व बार-बार उल्लघन पर 5,00,000/- रूपये का जुर्माना दण्ड के रूप में प्राविधान है। ऐसे मानसिक स्वास्थ्य संस्थान (नशामुक्ति केन्द्रों सहित) जो पंजीकृत नहीं है, में कार्य करने वाले मानसिक स्वास्थ्य वृत्तिकों पर 25,000/- रूपये तक जुर्माना दण्ड के रूप में प्राविधान है। यदि कोई व्यक्ति अधिनियम के अधीन बनाये गये नियम या विनियम के उपबंधों का उल्लंघन करता है तो ऐसी स्थिति में उस व्यक्ति को प्रथम उल्लघंन पर छह माह की जेल या 10,000/- रूपये का जुर्माना अथवा दोनों व बार-बार उल्लघन पर दो वर्ष की जेल या 50,000/- रूपये से 5,00,000/- रूपये जुर्माना अथवा दोना दण्ड के रूप में प्राविधान है। इन नियम विनियमों के प्रख्यापित होने से राज्य में मानसिक रोग से ग्रस्त व्यक्तियों को उच्च गुणवत्तायुक्त उचित उपचार प्राप्त हो सकेगा एवं अवैध संस्थानों पर नियंत्रण हो पायेगा। भारत सरकार एवं राज्य सरकार इस क्षेत्र में कार्य करने हेतु कृतसंकल्प है।

सडक़ में जल भराव बना स्थानीय लोगों के लिए मुसीबत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग। नगर मुख्यालय में ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग में कई जगहों पर जल भराव की स्थिति पैदा हो रही है। बीते दो दिनों से हुई मूसलाधार बारिश से यहां जल भराव होने से स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। लोगों ने एनएच की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि ऑल वेदर में बनी सडक़ का कई जगहों पर स्लोप ठीक नहीं है जबकि नाली चोक हो रही है। रुद्रप्रयाग नगर में बेलनी पुल के अलावा, बोहरा नर्सिंग होम पहुंच मार्ग के समीप बारिश का पानी बड़ी मात्रा में जमा हो रहा है इससे हाईवे से लगे स्थानीय व्यापारी एवं भवन स्वामियों को काफी परेशानियां उठानी पड़ रही है। साथ ही पैदल चलने वाले लोगों को इस स्थान को पार करना मुश्किल हो रहा है। बीती सांय से हो रही बारिश के कारण यहां जल भराव की स्थिति बनी रही जिससे हाईवे पर चलने वाले वाहनों के साथ ही पैदल चलने वाले राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासी प्रदीप चौधरी, प्रकाश बिष्ट, ताजवर सिंह चौहान, महेंद्र सिंह, यशवंत बिष्ट, विपिन वर्मा आदि ने कहा कि हाईवे पर कई जगहों पर आए दिन बरसाती पानी जमा हो रहा है। साथ ही नाली में पानी की नियमित आपूर्ति नहीं हो रही है। नाली बंद होने से यहां कई जगहों पर चोक होने की आशंका है जिससे नगर में बरसाती एवं नाली का गंदे पानी सडक़ पर जमा हो रहा है जिससे व्यापारिक प्रतिष्ठानों के साथ ही आवासीय भवनों को खतरा पैदा हो रहा है। कई बार तो घरों और दुकानों के अंदर भी पानी जमा हो रहा है। उन्होंने एनएच से शीघ्र दिक्कत का समाधान करने की मांग की है। ताकि इस बरसात के साथ ही भविष्य में लोगों को दिक्कतें न उठानी पड़े। इधर, एनएच श्रीनगर डिविजन के ईई निर्भय सिंह ने बताया कि जनता की समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा। किसी तरह की परेशानी होगी तो उसे हल कर दिया जाएगा।

उकरौली में कैलाश नदी से भू-कटाव के चलते 6 परिवारों ने घर छोड़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर। बैगुल व कैलाश नदी का जलस्तर बढने के साथ कई स्थानों पर भू-कटाव भी शुरू हो गया है। उकरौली में कैलाश नदी से भू-कटाव के चलते छह परिवारों ने अपनी रिश्तेदारी में शरण ली है। उकरौली में 50 और अरविंद नगर में 65 परिवारों को बाढ़ से बचाने को घर खाली करने के लिए प्रशासन ने नोटिस दिए हैं। इधर, बैगुल नदी का जलस्तर 22 हजार क्यूसेक पहुंचने से प्रशासन सतर्क हो गया है। नदी का पानी आवेरफ्लो होकर अरविंद नगर गांव में गया है। पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही बारिश से बैगुल नदी का जलस्तर करीब 22 हजार क्यूसेक पहुंच गया है। 30 हजार क्यूसेक में वार्निंग लेवल आ जाता है। वहीं कैलाश का जलस्तर भी 25 हजार क्यूसेक तक पहुंच गया है। अरविंद नगर में पानी घुसने की सूचना पर तहसीलदार जगमोहन त्रिपाठी, पुलिस टीम ने ग्रामीणों को सतर्कता बरतने व सुरक्षित स्थानों में पहुंचने की अपील की। हालांकि, अभी ग्रामीणों ने घर नहीं छोड़े हैं। शुक्रवार शाम नदियों का जलस्तर कम होने पर प्रशासन व ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। इधर, तहसीलदार त्रिपाठी ने नगरपालिका प्रशासन की टीम के साथ नगर में जेसीबी मशीन से नालों की सफाई कराई। बिजटी तिराहे, अमरिया चौक से पीलीभीत मार्ग, अस्पताल गेट, महाराणा प्रताप चौक, ग्राम सिसौना में चोक नालियों को खोलकर पानी निकासी कराई।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ गढ़वाल विवि से कर सकेंगे शार्ट टर्म कोर्स: प्रो. अवस्थी

श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर में गढ़वाल विवि, केंद्रीय विद्यालय, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एवं कौशल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एनईपी की समझ शीर्षक पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शिक्षा में युवा पीढ़ी को अधिक कुशल, आत्मविश्वासी, व्यावहारिक और गणनात्मक बनाने का लक्ष्य निहित है। कहा एनईपी के तहत एनआईटी के छात्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ गढ़वाल विवि से विभिन्न विषयों में शार्ट टर्म कोर्स भी कर सकेंगे। प्रो. अवस्थी ने कहा कि एनआईटी उत्तराखंड में एनईपी के क्रियान्वयन के लिए किए गए कार्यों कि जानकारी देते हुए कहा कि अभी तक शोधगंगा पोर्टल पर संस्थान से अब तक निर्गत कुल पर 19 पूर्ण पाठ्य पीएचडी थीसिस को अपलोड किया जा चुका है, एकेडमिक बैंक क्रेडिट के तहत एनआईटी उत्तराखंड द्वारा अब तक 469 अकाउंट बनाए जा चुके हैं। कहा डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म को अपनाते हुए स्नातक छात्रों के डिग्री एवं प्रमाण पत्र अब डिजिलॉकर में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कहा एनआईटी भविष्य में स्कूल टीचर्स और बच्चों के लिए एनईपी के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए लघु वीडियो प्रतियोगिता आयोजित करने की योजना पर कार्य कर रहा है। मौके पर एनआईटी डीन लालता प्रसाद, रजिस्ट्रार धमेंद्र त्रिपाठी, डायट के शिव कुमार भारद्वाज, केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य मनीष भट्ट, कौशल विकास से अर्चना सजवाण, महीप सिंह आदि ने जानकारी दी। डा.नितिन शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित

5 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी करने वाले को चमोली पुलिस ने दिल्ली से किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 08 जुलाई : गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता- अभियुक्तगण कपिल देव राठी निवासी पता राठी बिल्डिंग प्लॉट नंबर 231/18 मेट्रो पिलर 440 नांगलोई दिल्ली, हाल निवासी 119 साखोल बहादुरगढ़ झज्जर हरियाणा। जिस पर ₹25000/- का इनाम घोषित था।

आपराधिक घटना क्रम - दिनांक 23/03/2022 को थाना गोपेश्वर पर मु0अ0सं0 13/22 धारा 120 बी,406,420 भादवि व 3 उत्तराखण्ड जमाकर्ताओं के हितों का संरक्षण अधिनियम 2005 के अंतर्गत अभियुक्तगण (1)- कपिल देव राठी निवासी राठी बिल्डिंग प्लॉट नंबर 231/18 मेट्रो पिलर 440 नांगलोई दिल्ली, हाल निवासी 119 साखोल बहादुरगढ़ झज्जर हरियाणा, 2- मोनिका कपूर निवासी हाल राठी बिल्डिंग प्लॉट नंबर 231/18 मेट्रो पिलर 440 नांगलोई दिल्ली 3- पंकज गंभीर निवासी हाल राठी बिल्डिंग प्लॉट नंबर 231/18 मेट्रो पिलर 440 नांगलोई दिल्ली 4- अनिल रावत पुत्र जय सिंह निवासी ढालवाला थाना मुनि की रेती जनपद टिहरी गढ़वाल के विरुद्ध स्थानीय लोगों को लालच देकर पैसे जमा कराये गये।

अभियुक्तगण द्वारा लोगों का पैसे जमा करने के बाद उनके साथ धोखाधड़ी कर पैसे लेकर फरार हो गये। जिसमें अभियुक्त गणों द्वारा लगभग 05 करोड़ रुपये का गबन कर धोखाधड़ी की गयी है। अभियुक्तगण के विरुद्ध इसी प्रकार जनपद के अन्य थानों (1)- कोतवाली चमोली पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 35/2022 धारा धारा 420/406/120(बी) भादवि, उत्तराखंड जमाकर्ताओं के हितों का संरक्षण (वित्तीय प्रतिष्ठानों मे) अधिनियम 2005 की धारा -3, (2)- कोतवाली जोशीमठ पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 23/2022 धारा धारा 420/406/120(बी) भादवि, उत्तराखंड जमाकर्ताओं के हितों का संरक्षण (वित्तीय प्रतिष्ठानों मे) अधिनियम 2005 की धारा -3

इस प्रकार अभियुक्तगण उपरोक्त द्वारा कोऑपरेटिव सोसायटी का दुरुपयोग कर लोगों को अपनी पंजीकृत सोसायटी को बैंक के रूप में प्रसारित कर जमा धनराशि को निश्चित अवधि में वापस करने के वचन के साथ प्राप्त किए गए लेकिन अभियुक्तगण द्वारा जमाकर्ताओं के साथ धोखाधड़ी की गयी। अभियुक्त गणों के द्वारा जनपद में कुल 05 करोड़ से अधिक की धनराशि का धोखाधड़ी कर गबन किया गया।उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक चमोली प्रमेन्द्र डोभाल के निर्देशन में अलग-अलग टीमें गठित की गई। जिस पर दिनांक 05/07/2023 को उक्त जनशक्ति मल्टीस्टेट/मल्टीपरपज कोऑपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष एवं अभियोग के मुख्य अभियुक्त कपिल देव राठी को व0उ0नि0 गोपेश्वर संजीव चौहान, उ0नि0 शिवदत्त जमलोकी, उ0नि0 विनोद कुमार गठित टीम द्वारा क्राइम ब्रांच दिल्ली की सहायता से संभावित स्थानों पर दबिश देकर बकरवाला नई दिल्ली से गिरफ्तार किया गया।

जिस पर 25000/- रुपए का इनाम घोषित था । अभियोग के अन्य अभियुक्तगण पंकज गम्भीर, अनिल रावत को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है । अभियुक्तगण के द्वारा धोखाधडी कर जमा की गयी धनराशि से सम्बन्धित बैंक खातों को सीज किया गया है । कपिल देव राठी जो कि प्रश्नगत सोसायटी का अध्यक्ष है तथा मुख्य अभियुक्त है। अभियुक्त गणों द्वारा संगठित होकर आर्थिक अपराध किया गया एवं निरन्तर आर्थिक अपराध किए जाने पर अभियुक्तगण के विरुद्ध थाना चमोली पर गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत मु0अ0सं0 10/23 धारा 2(ख)(1)/2(ख)/(xi)/3 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

बहु की जान बचाने गुलदार से भिड़ी सास के साहस को सलाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 जुलाई , वो जंगल में घास काट रही थी लेकिन उम्मीद नहीं थी कि अगले ही पल उसकी जान सांसत में पड़ने वाली है। लेकिन जो हुआ वो देख सुन कर पूरा पहाड़ तारीफ कर रहा है। जिस वक्त खूंखार गुलदार जानकी देवी की बहू पर झपटा उन्होंने बहादुरी से खुद को आगे जहां दिया और बहू को बचाने के लिए गुलदार से भिड़ गईं। अगस्त मुनि के फलाई गांव की 62 वर्षीय जानकी देवी और उनकी बहू पूनम जंगल में घास काट रहे थे। तभी अचानक झाड़ी के पीछे छुपे गुलदार ने पूनम पर हमला कर दिया था । जो भी इस किस्से को सुन रहा है, वह बुजुर्ग जानकी देवी के साहस की तारीफ करते नहीं थक रहा।

जंगल के सन्नाटे में सास बहू की चीख पुकार सुन गुलदार ने पूनम को तो छोड़ दिया लेकिन जानकी देवी पर अटैक कर दिया और उन्हें काफी दूर तक घसीट कर ले गया। हमले में बुजुर्ग महिला के शरीर पर कई जगह गहरे जख्म हो गए हैं। उन्हें सीएचसी अगस्त मुनि में प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। गनीमत है कि बहू पूनम को हल्की फुल्की चोट लगी है और उनकी हालत में अब सुधार बताया जा रहा है।

उत्तराखंड में आज भी महिलाओं का ग्रामीण पहाड़ी जीवन इसी तरह के खतरों में गुजरता है जहाँ लकड़ी पशु चारा और अन्य रोज़मर्रा के कामों के लिए उन्हें जंगल में जाना पड़ता है लेकिन ऐसे खतरे भी सामने आते हैं तो साहस से उसका मुकाबला करना उनकी नियति बन जाती है। लेकिन सबसे सुखद पहलू ये है कि हमारे देश समाज परिवार में सास बहू के चर्चित रिश्तें के बीच ऐसी बहादुर सास जब बहु के लिए अपनी जान सासत में डालती हैं तो वो एक बेहतरीन नज़ीर बन जाती है।

देहरादून में आपकी जमीन है तो सावधान आपके साथ न हो जाए रजिस्ट्री वाला धोखा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 08 जुलाई : राजधानी देहरादून में जमीन की रजिस्ट्री और धोखाधड़ी के कई मामले सामने आए हैं मगर इस बीच एक बड़ा मामला सामने आया है। रजिस्ट्रियों के डाटाबेस में भी सेंध लगाने का मामला सामने आया है। डाटाबेस में छेड़छाड़ कर जमीनों के रकबा और स्वामित्व तक बदल दिए गए। इसकी जानकारी मिलने के बाद अधिकारियों में हड़कंप की स्थिति है।

महानिरीक्षक निबंधन (आईजी स्टांप) डॉ. अहमद इकबाल और जिलाधिकारी (डीएम) देहरादून सोनिका ने स्टांप मुख्यालय समेत रजिस्ट्री कार्यालयों का मुआयना कर मामले का पता लगाने का प्रयास किया। दरअसल देहरादून जिलाधिकारी को कुछ ऐसी शिकायतें मिली थीं, जिसमें विभिन्न व्यक्तियों ने यह आरोप लगाया कि उनके नाम पर पुश्तैनी जमीन चली आ रही है, जबकि कुछ अन्य लोग संबंधित भूमि को अपनी बता रहे हैं। ऐसे व्यक्तियों के पास रजिस्ट्री भी है।

प्रारंभिक जांच में रजिस्ट्री किए जाने के प्रमाण तो नहीं मिले, लेकिन डाटाबेस में मनमाफिक बदलाव करा लिए गए। रजिस्ट्री/स्टांप के डाटाबेस में गोल्डन फारेस्ट से लेकर अन्य भूमि के रकबा और स्वामित्व बदल दिए गए हैं। रजिस्ट्री के डाटाबेस में छेड़छाड़ की बात सामने आने के बाद डीएम ने रजिस्ट्री कार्यालय के रिकार्ड रूम के साथ राजस्व विभाग के रिकार्ड रूम की भी पड़ताल की। डीएम का कहना है कि प्रकरण की गहन जांच कर फर्जीवाड़े की स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

नेपाल में विस्फोटक सामग्री के साथ भारतीय गिरफ्तार

पिथौरागढ़। नेपाल पुलिस ने विस्फोटक सामाग्री के साथ एक भारतीय नागरिक को पकड़ा है। कैलाली जिले के कैलारी गांव में विशेष प्रस्तावित सीमा सुरक्षा गुलम खोमपुर के सशस्त्र पुलिस उपाधीक्षक नरेश खडक़ा के नेतृत्व में टीम ने बीते रोज चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान आवाजाही कर रहे उत्तर प्रदेश लखीमपुर निवासी शिवा गुप्ता (42) को पुलिस ने रोका। जांच के दौरान उक्त व्यक्ति के पास 29किलो 50 ग्राम विस्फोटक पदार्थ सल्फर (बारूद बनाने में प्रयुक्त होने वाला पदार्थ) बरामद हुआ। टीम ने आरोपी केा कैलाली पुलिस के सुपुर्द किया है। पुलिस आारोपी से पूछताछ में जुटी हुई है।

आक्रोशित कांग्रेसियों ने पीएम मोदी का पुतला जलाया

पिथौरागढ़। गुजरात हाई कोर्ट के मोदी सरनेम मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ फैसला बरकरार रखने से कांग्रेसी आक्रोशित है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि एक षड्यंत्र के तहत मोदी सरकार कांग्रेस नेता के खिलाफ साजिश रच रही है। उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया।

शुक्रवार को नगर के सिल्थाम तिराहे में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंजू लुंठी के नेतृत्व में कार्यकर्ता एकत्र हुए। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और पुतला जलाया। जिलाध्यक्ष अंजू ने कहा कि यह न्याय नहीं है बल्कि लोकतंत्र की हत्या है। कहा कि राहुल गांधी एक महान नेता हैं जो पूरे देश को एकजुट करने के लिए लड़ रहे हैं। जिस प्रकार वह देश-विदेश में लोकप्रिय हो रहे हैं, भाजपा इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। पूर्व दर्जामंत्री महेंद्र लुंठी व पूर्व जिलाध्यक्ष मुकेश पंत ने कहा कि भाजपा तानाशाही पर उतर आई है। कहा भ्रष्टाचार के आरोप में बड़े-बडे अपराधी जिन्हें जेल में होना चाहिये वह मंत्री पद पर बैठे हुए हैं। ये रहे शामिलः नगर अध्यक्ष भुवन जोशी, ब्लॉक अध्यक्ष त्रिलोक बिष्ट, पीसीसी सदस्य दीपक लुंठी, विण ब्लॉक अध्यक्ष राकेश कुमार, शंकर लाल, लछमन कुमार, संजय कुमार, दीपू बेलाल, सुंदर कुमार, बलदेव राज, दिगभर सिंह, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष हिमांशु ओझा, हरीश बोरा, सुधीर चौहान, राहुल, अम्मू, रिषु, आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड में टमाटर ने लगाया दोहरा शतक, 200 रुपये के पार पहुंचे दाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 08 जुलाई : पहले प्याज रुलाया करता था, लेकिन अब टमाटर भी तेवर दिखाने लगा है। मैदानी इलाकों में टमाटर सौ से 140 रुपये प्रति किलो बिक रहा है तो वहीं उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में टमाटर की कीमत 200 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है।हफ्तेभर पहले उत्तरकाशी जनपद मुख्यालय की मंडी में टमाटर के दाम सौ रुपये पार हो गए थे, अब गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में टमाटर के दाम ने दोहरा शतक मारा है। गंगोत्री धाम में टमाटर की एक क्रेट 2500 रुपये से अधिक की बिक रही है। आम लोगों ने तो टमाटर का तड़का लगाना छोड़ ही दिया है, होटलों और ढाबों के संचालक भी परेशान हैं। उधर राजधानी में टमाटर के दाम में काफी गिरावट आई है।बीते दिन देहरादून में थोक दाम में टमाटर 50 रुपये प्रति किलो के भाव बिका, जबकि फुटकर में 80 से 90 रुपये किलो के हिसाब से बिक्री हुई। राजधानी में टमाटर के तेवर नरम पड़े हैं, हालांकि अन्य सब्जियों के दाम अब भी आसमान छू रहे हैं। फूल गोभी, पत्ता गोभी से लेकर भिंडी जैसी सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े हैं। पत्ता गोभी का दाम 30-40 रुपये प्रति किलो से 70 रुपये प्रति किलो हो गया है। जबकि फूलगोभी भी 30 रुपये किलो के बजाय 50 से 60 रुपये प्रति किलो के भाव बिक रही है। प्रोडक्शन में कमी आने से टमाटर की आवक भी कम हुई है। दो-तीन महीने पहले टमाटर की कीमतें काफी गिर गई थी, तब किसानों ने टमाटर की पैदावार कम कर दी। बारिश से टमाटर की फसल बर्बाद हो गई। पैदावार कम हुई तो टमाटर की कीमतों में तेजी से उछाल आया। देहरादून में अभी चकराता, त्यूणी और थत्यूड़ समेत हिमाचल के कुछ हिस्सों से टमाटर की सप्लाई हो रही है। माना जा रहा है कि 15 जुलाई के बाद टमाटर के दाम में कमी आएगी। कर्नाटक से इसी महीने टमाटर की सप्लाई शुरू होने वाली है, जिससे टमाटर के रेट सामान्य होने की उम्मीद है।

उत्तराखंड के इस गांव में दारू पीकर गए तो होगा 'कुटान और चुटान'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 08 जुलाई : उत्तराखंड राज्य का शराब से काफी पुराना नाता रहा है। पहाड़ों में लगभग हर आयोजन में शराब पीने-पिलाने का चलन लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे यहां की युवा पीढ़ी नशे की लत में बर्बाद हो रही है। पुरुषों के नशे की गर्त में जाने का असर अगर किसी पर सबसे ज्यादा पड़ता है, तो वह उस घर की महिला होती है। लगातार बढ़ते शराब के प्रचलन को रोकने के लिए अबतक यहां की मातृशक्ति ने क़ई बार मुहिम चलाई है। अब एक बार फिर चुप्पी तोड़ शराब के विरोध में मोर्चा खोल दिया गया है।हम बात कर रहे हैं उत्तराखंड के भट्टीधार गांव की जहां शराब की समस्या से छुटकारा पाने के लिए ग्रामीणों ने पहल की है। जिसके तहत गांव के मुख्य चौराहों तक बोर्ड लगाए गए हैं। बोर्ड में शराब पीकर गांव में प्रवेश करने पर पिटाई होने की बात अंकित है। बोर्ड पर साफ तौर पर लिखा गया है कि अगर कोई भी व्यक्ति गांव में शराब या नशे की हालत में प्रवेश करता है, तो उसकी पिटाई की जाएगी। अच्छी बात ये है कि इस बोर्ड के लगने के बाद से यहां के युवा और बुजुर्गों ने शराब का सेवन करना बंद कर दिया है।

चमोली जिले में स्थित भराड़ीसैंण विधानसभा भवन से कुछ किलोमीटर दूर स्थित भट्टी धार गांव में लगभग 25 परिवार रहते हैं। पहले यहां परिवारों की संख्या अधिक थी, लेकिन वर्तमान समय में लगभग 25 परिवार यहां रहते हैं। गांव में कुछ बुजुर्ग और कुछ युवा शराब के आदी हो चुके थे, जिससे आए दिन परिवारों में झगड़े होते थे। गांव में बाहर से अगर कोई बारात आती या कोई कार्यक्रम होता, तो लोग शराब पीकर देर रात हुड़दंग करते थे। तब यह नियम बना कि अगर कहीं से भी लड़ाई-झगड़े या शराब की खबर आई तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गांव में बोर्ड लगाने के बाद अब कई गांवों में इस तरह की पहल शुरू की है। आसपास के कई गांव में भी इसी तरह के बोर्ड लगा दिए गए हैं।

संपादकीय

अधिकार बनाम अधिकार

सियासत जिस चरागाह पर चलने लगी है, वहां हिमाचल के लिए बंजरपन तसदीक हो जाता है। प्रदेश का चरित्र इसी धूप छांव में सियासी सोच के कारण अपनी विवशताओं का खुलासा करता है, जबकि राज्य की चुनौतियों के सामने नए प्रयास, ऊर्जा और आपसी सहयोग की जरूरत है। हैरानी होती है कि जिन अधिकारों की पैमाइश हमारे नेता करते हैं, उनसे हमारे प्रदेश के आर्थिक अधिकार कहीं पंगु बनाए जा चुके हैं। ताजातरीन उदाहरण चंबा जिला से है जहां एक खेलकूद प्रतियोगिता के गले में बंधी घंटी बजाकर राजनीति अपने होने की सूचना दे रही है। वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हिमगिरि में अंडर-14 खेलकूद प्रतियोगिता के सामने दो आईने टूटे और इस टूट-फूट में हिमाचल के सरोकार घायल हो गए। सत्ता बदल गई तो ऐसी प्रतियोगिताओं का स्पर्श भी बदल गया, लिहाजा जो महाशय उद्घाटन कर रहे थे, उन्हें कांग्रेसी वीआईपी माना गया और जिनको सियासी अधिकार नहीं मिला, वह भाजपाई विधायक इतने खिन्न हुए कि खेल प्रतियोगिता से कहीं बड़ी प्रतिस्पर्धा राजनीतिक हो गई। हम अंदाजा लगा सकते हैं कि वहां खिलाडियों का जोश, जज्बा और जुनून खेल के मैदान पर सियासत को देख रहा था। राजनीतिक अधिकारों की पैरवी में हिमाचल के नेताओं को यह अफसोस भी नहीं होता कि जिस पिच पर वे खेलते हैं, उसके लायक होने के लिए उन्हें कई जन्म लेने पड़ेंगे, लेकिन इस माहौल की दोषी जनता भी है। जब समाज अपने बीच के वरिष्ठ, अनुभवी, प्रतिष्ठित और अति योग्य लोगों के बजाय केवल राजनेताओं का दर्शन करने लगे या सरकारी दरबार में हाजिरी लगाते नागरिक समाज का स्वाभिमान गिरवी हो जाए, तो हम प्रदेश की अस्मिता कैसे जगा पाएंगे। इसका यह अर्थ भी है कि आम हिमाचली अपनी गैरत को गिरवी रख कर राजनेताओं के चरण चुंबक बन रहे हैं। इसी प्रदेश में देश के लिए कुर्बानियों का इतिहास लिखने वाले कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी मौजूद हैं, लेकिन सरकारी समारोहों की रौनक में इनके लिए कोई स्थान नहीं मिलता। अब तो राष्ट्रीय और प्रादेशिक समारोहों में सत्ता पक्ष का लाव लश्कर और नेताओं के चमचे गुलकंद चाट रहे होते हैं। एक ओर इससे फिजूलखर्ची बढ़ रही है और दूसरी ओर सरकारी मशीनरी में राजनीतिक कॉडर बनता जा रहा है। उदाहरण के लिए कई सरकारी शिक्षण संस्थानों के मुखिया केवल ऐसे आयोजनों के मार्फत खुद को साधते हैं, नतीजतन हिमाचल के बीच एक ऐसा हिमाचल हमने विकसित कर लिया है जिसे केवल निजी और राजनीतिक स्वार्थों के लिए ही व्यवस्था का दोहन करना होता है। शिलान्यास, उद्घाटन या किसी समारोह के मुख्यातिथि के चयन का मकसद अगर सियासत की सीढियां बनी रहेंगी, तो अधिकारों की ऐसी बनियागिरी में बिकेंगे तो हिमाचल के ही अधिकार।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

उत्तराखंड में अगले चार दिन कैसा रहेगा मौसम, ये है अपडेट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 08 जुलाई : उत्तराखंड में मानसून संग आई मुश्किलें कम नहीं हो रहीं। पहाड़ी इलाकों में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है, लोग बारिश के थम जाने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन ये इंतजार खत्म ही नहीं हो रहा। अगले चार दिनों तक बारिश यूं ही मुसीबतें बढ़ाती रहेगी। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान पहाड़ी इलाकों के साथ ही मैदानी इलाकों में भी जमकर मेघ बरसेंगे। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार सात से दस जुलाई तक प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना है।

एक तरफ बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही तो वहीं मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार जून में पिछले सालों की अपेक्षा कम बारिश हुई है। इसकी वजह चक्रवाती तूफान बिपरजॉय है। बिपरजॉय का असर भले ही उत्तराखंड में न दिखा हो, लेकिन इसके चलते बारिश में कमी जरूर आई है। अरब सागर के ऊपर आए भीषण चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के चलते झोंके दार हवाएं चलीं और प्री-मानसून में अच्छी बारिश हुई, लेकिन 25 जून के बाद औपचारिक तौर पर उत्तराखंड में आए मानसून में पूरे महीने में बीते सालों के मुकाबले कम बारिश हुई। उत्तराखंड में लगातार दूसरे साल जून में बारिश का आंकड़ा सामान्य से नीचे रहा।

इस साल जून में 152.4 एमएम बारिश हुई, जो सामान्य से 24.4 एमएम कम है। उधर भारी बारिश के चलते जगह-जगह भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। चमोली में बीते दिन बदरीनाथ हाईवे सुबह करीब पांच बजे छिनका में बंद हो गया। पहाड़ी से भारी मात्रा में आए मलबे की वजह से रास्ते पर आवाजाही बाधित रही। हाईवे बाधित होने से करीब 12 हजार तीर्थयात्री और स्थानीय लोगों ने वाहनों और दुकानों में बैठकर हाईवे खुलने का इंतजार किया। इस दौरान करीब दस घंटे तक वाहनों के पहिए थमे रहे। बार-बार हो रहे भूस्खलन की वजह से तीर्थयात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करने वालों पर हुई चालानी कार्यवाही

अल्मोड़ा। जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राम चन्द्र राजगुरु द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों व यातायात पुलिस अधिकारियों को वाहनों में मोडिफाईड साईलेंसर व प्रेशर हार्न का प्रयोग कर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों पर कड़ी चालानी कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। गुरुवार को प्रभारी इंटरसैप्टर अयूब अली द्वारा हैड कांस्टेबल सुनील कुमार, कांस्टेबल ललित बिष्ट के साथ की जा रही चेकिंग के दौरान वाहनों में प्रेशर हॉर्न लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने पर 03 वाहन चालकों के विरुद्ध एमवी एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही की गई तथा वाहनों में लगे प्रेशर हार्न निकलवाए गए। इसके अतिरिक्त नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर अल्कोहोल ब्रेथ एनालाइजर से भी चेंकिग की जा रही है।

रोडवेज बस और कैंटर की भिड़ंत में कैटर चालक घायल

अल्मोड़ा। शुक्रवार प्रातः 08.30 बजे करीब भतरौजखान पुलिस को सूचना मिली कि पनुवादोखन के पास भतरौजखान की ओर से रामनगर को जा रही रोडवेज बस और रामनगर से भतरौजखान को आ रहे कैंटर आपसी टक्कर में दुर्घटनाग्रस्त हो गए हैं। सूचना प्राप्त होने पर थानाध्यक्ष भतरौजखान मदन मोहन जोशी पुलिस बल को लेकर तत्काल मौके पर पहुंचे। दुर्घटना में घायल कैंटर चालक प्रकाश चंद्र पुत्र मोहन राम निवासी लखनपुर चुंगी रामनगर नैनीताल के पैर पर चोट आई हुई थी, जिसको प्राईवेट वाहन की सहायता से रामनगर उपचार हेतु भेजा गया। बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित थे, जिनको अन्य वाहन से अपने-अपने गंतव्य को भेजा गया। भतरौजखान पुलिस बल द्वारा रोडवेज व कैंटर भिड़ंत से बाधित यातायात को सुचारु किया गया।

उत्तराखंड में मौजूद है दुनिया का सबसे दुर्लभ पक्षी, इसकी खूबसूरती की दीवानी है दुनिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 08 जुलाई : आइबिस विल दुनिया के सबसे दुर्लभ और खूबसूरत पक्षियों में से एक। बर्ड वॉचर्स की पहली पसंद में शुमार इस पक्षी को उत्तरकाशी की हर्षिल घाटी खूब रास आ रही है। गंगोत्री नेशनल पार्क के पास स्थित हर्षिल घाटी उत्तराखंड का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है, जहां दुर्लभ आइबिस बिल पक्षी प्रजनन करता है। हर्षिल घाटी में भागीरथी (गंगा) सहित कई छोटी-छोटी नदियां हैं, जिनके आसपास आइबिस बिल का प्रजनन क्षेत्र है। आइबिस बिल जून व जुलाई में प्रजनन करता है।

यह बहुत सुंदर पक्षी है, जिसकी भूरी और सफेद रंग की बेली, लाल पैर, घुमावदार लाल लंबी चोंच होती है। आइबिस बिल की हर्षिल घाटी में मौजूदगी का सबसे पहला सबूत 113 पहले लिखी गई एक किताब में मिलता है।

साल वर्ष 1910 में फ्रेडरिक विल्सन पर लिखी गई एक पुस्तक में आइबिस बिल की मौजूदगी के प्रमाण हैं। साल 2013 में भी यहां पर आइबिस बिल पक्षी को देखा गया, लेकिन साल 2022 में पक्षी विशेषज्ञों ने पहली बार हर्षिल घाटी की पहचान आइबिस बिल पक्षी के प्रजनन क्षेत्र के रूप में की। भारतीय वन्यजीव संस्थान के सहयोग से अगस्त 2022 में विशेषज्ञों ने आइबिस बिल के प्रजनन क्षेत्र को लेकर शोध पत्र भी जारी किया है। यह पक्षी शीतकालीन प्रवास के लिए राजाजी और कार्बेट टाइगर रिजर्व क्षेत्र में भी पहुंचता है। बात करें हर्षिल घाटी की तो ये जगह पक्षी प्रेमियों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं।

यहां आइबिस बिल के अलावा ब्राउन एक्सेंट व हिमालयी ग्रैंडेला की मौजूदगी भी दर्ज की गई है। सिक्योर हिमालय परियोजना और भारतीय वन्यजीव संस्थान के सहयोग से इन पक्षियों पर शोध पत्र भी जारी हो चुके हैं। पक्षी प्रेमी व विशेषज्ञ इससे उत्साहित हैं।

उत्तराखंड : मानसून में उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों के जाने पर रोक, शासन ने जिलों को जारी किया अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 08 जुलाई : प्रदेश में भारी वर्षा की चेतावनी के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों को जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा इस अवधि में लोगों के किसी भी विपदा में फंसे होने की स्थिति में उन्हें खाद्य सामग्री और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा के निर्देश पर राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से डीएम को निर्देश जारी किए गए हैं। हरिद्वार, नैनीताल और पिथौरागढ़ को बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ने पर विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट में बाणगंगा (रायसी) हरिद्वार, धौलीगंगा (कनज्योति) पिथौरागढ़ एवं कोसी (बेतालघाट) नैनीताल नदियों में जलस्तर में हो रही वृद्धि को देखते हुए सुरक्षा के विशेष उपाय अपनाने को कहा गया है।इसमें आवागमन में नियंत्रण रखने, किसी भी आपदा, दुर्घटना की स्थिति में त्वरित स्थलीय कार्रवाई करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान करने, आपदा प्रबंधन आई आर एस प्रणाली के नामित समस्त अधिकारियों एवं विभागीय नोडल अफसरों को हाई अलर्ट में रहने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा राजस्व उपनिरीक्षकों, ग्राम विकास अफसरों, ग्राम पंचायत अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में बने रहने के लिए कहा गया है। सभी थाने-चौकियों को भी आपदा संबंधी उपकरणों एवं वायरलेस सहित हाई अलर्ट में रहने को कहा गया है। इस अवधि में किसी भी अधिकारी और कर्मचारी को मोबाइल फोन स्विच ऑफ नहीं करने, छाता, टार्च हेलमेट और कुछ आवश्यक उपकरण एवं सामग्री अपने वाहनों में रखने के लिए कहा गया है।

किसी भी प्रकार की आपदा की सूचना राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष के फोन नंबरों 0135-2710335, 2664314, 2664315, 2664316, फैक्स नंबर 0135-2710334, 2664317. टोल फ्री नंबर 1070, 9058441404 एवं 8218887005 पर दी जा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं रंगकर्मी त्रिभुवन गिरि महाराज को विहान संस्था ने किया सम्मानित

अल्मोड़ा। विहान सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था अल्मोड़ा के रंगकर्मियों द्वारा नगर के वरिष्ठ साहित्यकार एवं रंगकर्मी त्रिभुवन गिरी महाराज को 30 जून 2023 को उत्तराखंड सरकार द्वारा साहित्य क्षेत्र में गुमानी पंत सम्मान मिलने पर श्री लक्ष्मी भंडार हुक्का क्लब के मुख्य सभागार में त्रिभुवन गिरी महाराज का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में नगर के वरिष्ठ रंगकर्मी, वरिष्ठ साहित्यकार एवं युवा रंगकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ रंगकर्मी नरेश बिष्ट द्वारा त्रिभुवन गिरी महाराज के लिखे लोक नाटकों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया समय-समय पर युवा रंगकर्मियों को लेखन के क्षेत्र में महाराज द्वारा सहयोग प्राप्त होता रहता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि त्रिभुवन गिरी महाराज द्वारा कई लोकगीत कई खंडकाव्य और कई लोक नाटकों की रचना की गई है, उत्तराखंड सरकार द्वारा त्रिभुवन गिरी महाराज को पुरस्कृत करना एक सराहनीय कदम है। साथ ही साहित्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे अन्य साहित्यकारों को भी उत्तराखंड सरकार द्वारा भविष्य में सम्मानित करे जाने की बात कही गई। कार्यक्रम में त्रिभुवन गिरी महाराज के जीवन से जुड़ी हुई बातें युवा रंगकर्मियों को बताई गई। नगर के वरिष्ठ रंगकर्मी एवं दिशा बाल रंग के संयोजक मनमोहन चौधरी ने बताया कि 30 वर्षों से दिशा बाल रंग कार्यशाला में बच्चों के लिए कई नाटकों एवं कई गीतों की रचना त्रिभुवन गिरी महाराज द्वारा की गई। महाराज ने साहित्य के साथ-साथ उत्तराखंड की कई फिल्मों के लिए भी लेखन का कार्य किया गया है। नगर के वरिष्ठ रंगकर्मी एवं उत्तराखंड के सुप्रसिद्ध लोक गायक दीवान कनवाल ने महाराज से जुड़ी हुई कई साहित्य घटनाओं के बारे में युवा रंगकर्मियों को जानकारी दी। कार्यक्रम में नगर के रंगकर्मी ममता वाणी, रोहित साह, संदीप सिंह नयाल, विजय चौहान, सौरभ चम्याल, अंजलि तिवारी, रिया तिवारी, सूरज वाणी, रोहन कुमार, पूजा बिष्ट, निशा मेहरा, प्रियंका बिष्ट, हेमंत वर्मा, विक्की चौहान आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विहान संस्था के सचिव देवेंद्र भट्ट द्वारा किया गया।

सडक़ बनी ट्रक पार्किंग, कोई सुध लेने वाला नहीं

अल्मोड़ा। नगर के जाखनदेवी लक्ष्मेश्वर क्षेत्र में रोज शाम से लेकर सुबह तक रोड पर व्यवसाईयों के ट्रक व अन्य वाहन बेतरतीब खड़े रहते हैं। कितनी बार इस संबंध में पुलिस प्रशासन से कहा गया है लेकिन कोई सुध लेने वाला नहीं है। सडक़ किनारे खड़े यह वाहन आने जाने वाले वाहनों के लिए दिक्कत पैदा कर रहे हैं जिसके चलते जाम की समस्या हो रही है। सडक़ में जगह कम होने के चलते एक तो यह सडक़ दिन में बंद रहती है और वहीं, रही सही कसर सडक़ किनारे खड़े यह ट्रक और अन्य वाहन पूरी कर देते हैं। दिन भर? आईसीआईसीआई बैंक से लेकर लक्ष्मेश्वर तक की यही स्थिति है। यदि गोदामों में माल उतारने वाले ट्रक दिन भर यहीं खड़े रहेंगे तो इस सडक़ को वन वे करने का कोई फायदा नहीं रह जाएगा। प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक इस सडक़ पर काफी ट्रैफिक रहता है। ऐसे में चाहिए कि इस समय पर कोई भी ट्रक, कार सडक़ के किनारे ना खड़ी हो। अब देखने वाली बात यह है कि कब प्रशासन जागता है और ऐसे जाखनदेवी की सडक़ किनारे वाहन लगाने वालों पर कार्यवाही होती है।

नगर में रह रहे संदिग्ध बाहरी व्यक्तियों की जांच की मांग

अल्मोड़ा। नगर में फर्जी आईडी और गलत नाम के सहारे रह रहे बाहरी व्यक्तियों की सघन जांच कर ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग नगर व्यापार मंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से की। नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुशील शाह ने बताया कि जिस तरीके से आज प्रदेश में बाहरी व्यक्तियों द्वारा आए दिन घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है उसके लिए यह जरूरी है कि इन बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन सही तरीके से किया जाए। उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा नगर में रहने वाले बाहरी व्यक्तियों के सही तरीके से सत्यापन और जांच की मांग को लेकर एक शिष्टमंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान नगर में बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन और फर्जी तरीके से रहने वाले व्यक्तियों पर कठोर कार्यवाही की मांग की गई और कहा कि नगर में जो भी व्यक्ति गलत पहचान, गलत नाम से रह रहा है उसको तुरंत नगर से बाहर किया जाए।